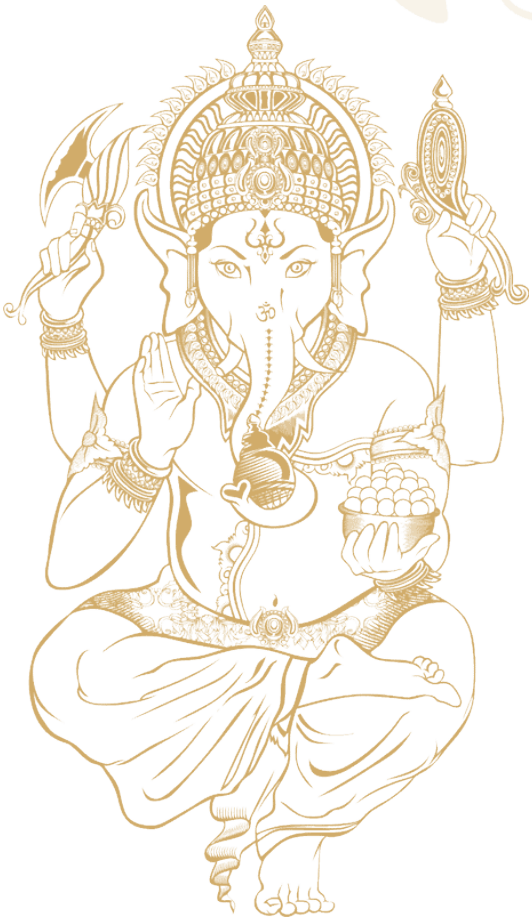

Mr.Akshay

Ms.Kalyani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119153101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119153101 Date: 19/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/06/1994	जन्म तिथि	19/07/1999
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	17:24:00 घंटे
घटी 19:09:45	जन्म समय(घटी)	28:52:56 घटी
India	देश	India
Dewas	स्थान	Yavatmal
22:59:00 उत्तर	अक्षांश	20:24:00 उत्तर
76:03:00 पूर्व	रेखांश	78:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:48	स्थानिक संस्कार	-00:17:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:40:05	सूर्योदय	05:47:13
19:07:51	सूर्यास्त	18:59:54
23:46:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:51
कन्या	लग्न	धनु
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मीन	राशि	कन्या
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	हस्त
शनि	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	4
आयुष्मान	योग	शिव
विष्टि	करण	वणिज
झ-झूलेलाल	जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
गौ	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 5वर्ष 5मा 4दि		01:42:04	कन्या	लग्न	धनु	10:01:21	चन्द्र 0वर्ष 6मा 10दि	
शुक्र		18:44:00	वृष	सूर्य	कर्क	02:32:25	गुरु	
07/11/2023		12:51:22	मीन	चंद्र	कन्या	22:37:47	27/01/2025	
07/11/2043		13:58:13	मेष	मंगल	तुला	11:39:25	27/01/2041	
शुक्र	09/03/2027	11:17:25	मिथु	बुध व	कर्क	13:59:34	गुरु	17/03/2027
सूर्य	08/03/2028	12:12:13	तुला व	गुरु	मेष	09:01:22	शनि	28/09/2029
चन्द्र	07/11/2029	22:03:34	मिथु	शुक्र	सिंह	09:16:26	बुध	04/01/2032
मंगल	07/01/2031	18:17:49	कुंभ	शनि	मेष	21:51:34	केतु	09/12/2032
राहु	07/01/2034	29:56:10	तुला	राहु	कर्क	19:14:07	शुक्र	10/08/2035
गुरु	07/09/2036	29:56:10	मेष	केतु	मक	19:14:07	सूर्य	29/05/2036
शनि	07/11/2039	02:07:06	मक व	हर्ष व	मक	21:43:06	चन्द्र	28/09/2037
बुध	07/09/2042	29:10:53	धनु व	नेप व	मक	09:18:53	मंगल	04/09/2038
केतु	07/11/2043	02:27:40	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:08:10	राहु	27/01/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:51

लग्न-चलित

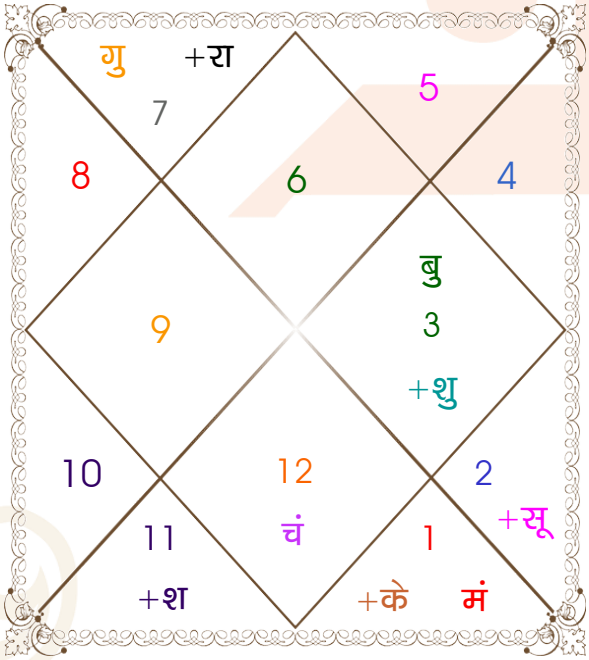

लग्न-चलित

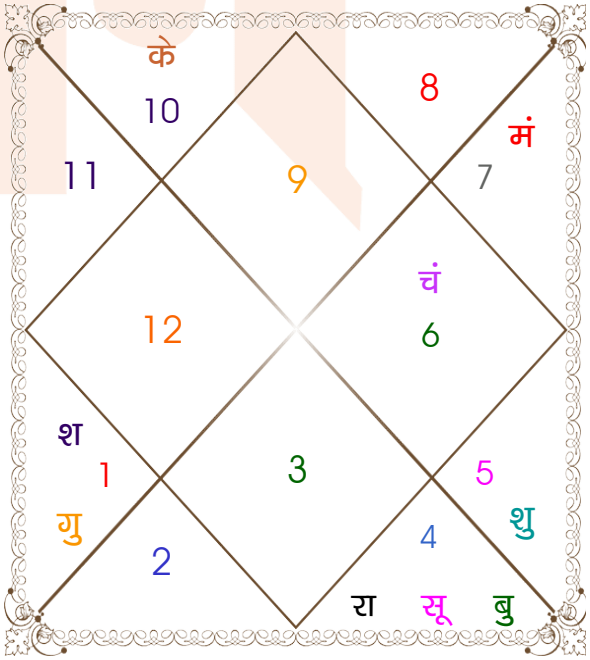

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

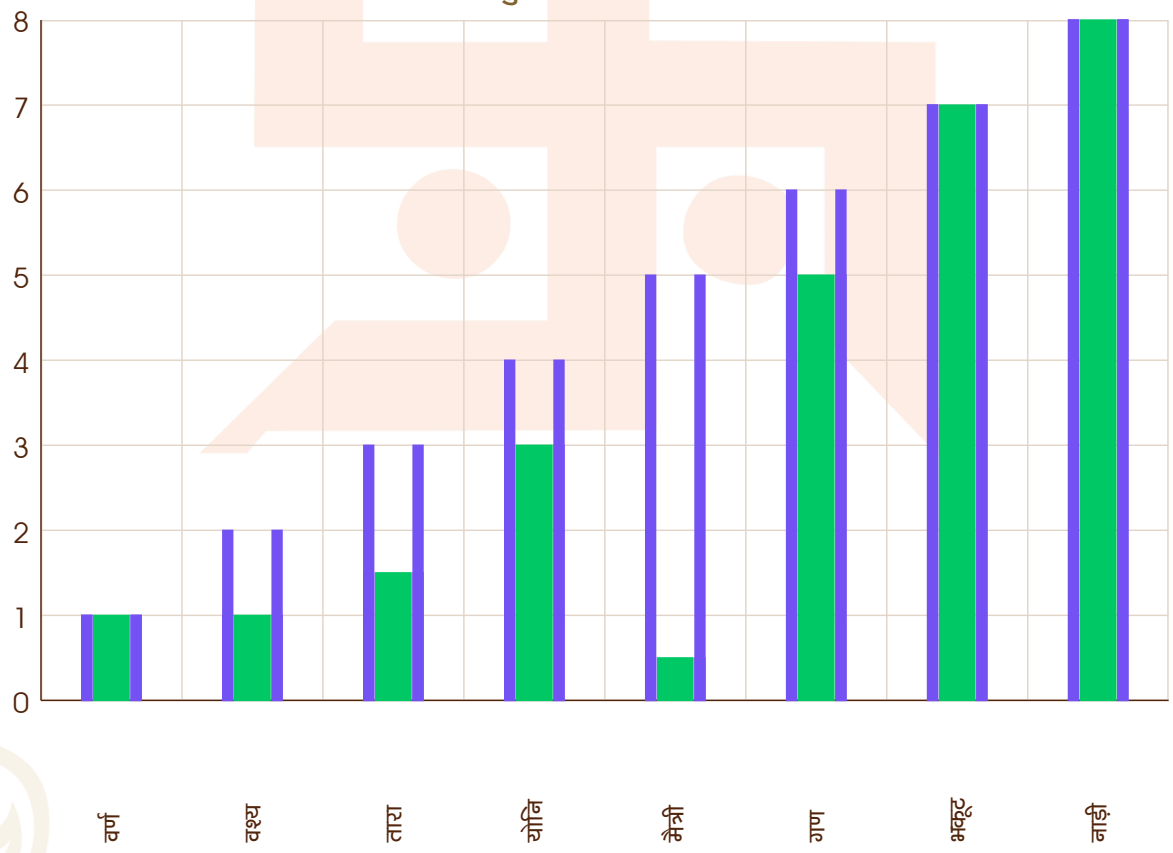

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Mr.Akshay का वर्ग सिंह है तथा Ms.Kalyani का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Akshay और Ms.Kalyani का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Akshay मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Mr.Akshay कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Kalyani मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Kalyani कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Kalyani कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः

मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Akshay तथा Ms.Kalyani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Akshay का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.Kalyani का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms.Kalyani सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Ms.Kalyani मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Mr.Akshay का वश्य जलचर है एवं Ms.Kalyani का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms.Kalyani अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Mr.Akshay उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Mr.Akshay की तारा प्रत्यरि तथा Ms.Kalyani की तारा साधक है। Mr.Akshay की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Mr.Akshay कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms.Kalyani को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Mr.Akshay की योनि गौ है तथा Ms.Kalyani की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा

रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Akshay का राशि स्वामी Ms.Kalyani के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.Kalyani का राशि स्वामी Mr.Akshay के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.Akshay का गण मनुष्य तथा Ms.Kalyani का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.Kalyani सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Mr.Akshay व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Mr.Akshay अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Mr.Akshay एवं Ms.Kalyani की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Mr.Akshay व Ms.Kalyani को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Mr.Akshay की नाड़ी मध्य है तथा Ms.Kalyani की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Akshay की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms.Kalyani की राशि भूमि तत्व युक्त कन्या राशि है। जल एवं भूमि में नैसर्गिक मित्रता तथा समता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिनसे परस्पर संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.Akshay की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms.Kalyani की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम तथा शत्रु राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष सुखद नहीं होंगी। इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में कटुता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे Mr.Akshay और Ms.Kalyani का आलोचनात्मक तथा अविश्वास का परस्पर दृष्टिकोण रहेगा इससे वैवाहिक जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। अतः यदि Mr.Akshay और Ms.Kalyani परस्पर सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तो किंचित शुभता उनके दाम्पत्य जीवन में हो सकती है।

Mr.Akshay और Ms.Kalyani की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्र के अनुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में वृद्धि होगी। इससे आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में सुख शांति तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। इसके साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान एवं विश्वास के भाव में भी वृद्धि होगी।

Mr.Akshay का वश्य वनचर तथा Ms.Kalyani का वश्य मानव है। वनचर एवं मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी अलग होंगी। फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन में कटुता रहेगी।

Mr.Akshay का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.Kalyani का वर्ण वैश्य है। अतः Mr.Akshay की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्य कलापों में रहेगी जबकि Ms.Kalyani धनार्जन में विशेष तत्पर रहेंगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगी इससे यदा कदा Mr.Akshay और Ms.Kalyani के मध्य मतभेद उत्पन्न हो सकते है।

धन

Mr.Akshay और Ms.Kalyani दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन

धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Akshay की नाड़ी मध्य तथा Ms.Kalyani की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु Ms.Kalyani के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्य मान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Akshay और Ms.Kalyani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Akshay और Ms.Kalyani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Kalyani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Kalyani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Kalyani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Akshay और Ms.Kalyani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Akshay और Ms.Kalyani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Kalyani के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में

कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms.Kalyani धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms.Kalyani के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms.Kalyani का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms.Kalyani से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.Akshay की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.Akshay सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.Akshay ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.Akshay के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।